

শ্রীঃ
শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

শ্রী রল্লভাচার্য রিরচিতং
॥ শ্রী মধুরাষ্টকম্ ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री मधुराष्टकम् ॥

अधरं मधुरं रदनं मधुरं
नयनं मधुरं हसितं मधुरम्।
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥ 1 ॥

रचनं मधुरं चरितं मधुरं
रसनं मधुरं रलितं मधुरम्।
चलितं मधुरं भ्रमितं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥ 2 ॥

रेणुर्मधुरो रेणुर्मधुरः
पाणिर्मधुरः पादौ मधुरौ।
नृत्यं मधुरं सख्यं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥ 3 ॥

गीतं मधुरं पीतं मधुरं
डुक्तं मधुरं सुप्तं मधुरम्।
रूपं मधुरं तिलकं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥ 4 ॥

करणं मधुरं तरणं मधुरं
हरणं मधुरं स्मरणं मधुरम्।
रमितं मधुरं शमितं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥ 5 ॥

গুঞ্জা মধুরা মালা মধুরা
যমুনা মধুরা রীচী মধুরা।
সলিলং মধুরং কমলং মধুরং
মধুরাধিপতেরখিলং মধুরম্ ॥ 6 ॥

গোপী মধুরা লীলা মধুরা
যুক্তং মধুরং মুক্তং মধুরম্।
দৃষ্টং মধুরং শিষ্টং মধুরং
মধুরাধিপতেরখিলং মধুরম্ ॥ 7 ॥

গোপা মধুরা গারো মধুরা
যষ্টির্মধুরা সৃষ্টির্মধুরা।
দলিতং মধুরং ফলিতং মধুরং
মধুরাধিপতেরখিলং মধুরম্ ॥ 8 ॥

॥ শ্রী মধুরাষ্টকং সমাপ্তম্ ॥